देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 166 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
बढ़ती मुसीबतें

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 2 अक्टूबर 2021

PAGE 3 PUBLICATION

मौसम अधिकतम 29.0° न्यूनतम 22.0°

39243.41 | 2 भांग बेच देश चलाएंगे इमरान खान | 7 मंधाना ने सेंचुरी ठोक रच दिया इतिहास

आपने दिल्ली का गला घोंट दिया

जंतर-मंतर पर 'सत्याग्रह' की अनुमति मांगी तो सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में किसान महापंचायत की तरफ से जंतर-मंतर पर सत्याग्रह की अनुमति मांगी गई है। शुक्रवार को कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए तल्ख टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि आप पहले ही शहर का गला घोंट चुके हैं और अब आप शहर के अंदर आना चाहते हैं।

इस दौरान कोर्ट ने रेल एवं सड़क मार्ग बाधित करने और ट्रैफिक में बाधा पहुंचाने के मुद्दे पर भी किसान महापंचायत की खिंचाई की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, प्रदर्शन कर रहे किसान यातायात में बाधा पहुंचा रहे हैं और ट्रेनों एवं राष्ट्रीय राजमार्गों को अवरुद्ध कर रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर में राष्ट्रीय राजमार्गों को अवरुद्ध करके विरोध प्रदर्शन जारी रखा जा रहा है। इसके साथ ही किसान महापंचायत से सोमवार को हलफनामा दायर करने को कहा गया है कि वे राष्ट्रीय राजमार्गों को अवरुद्ध करने वाले किसानों के विरोध का हिस्सा नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आपने पूरे शहर का गला घोंट रखा है और अब शहर के अंदर आना चाहते हैं। क्या शहर के लोग अपना बिजनेस बंद कर दें? आप ट्रेन रोकते हैं। सड़क रोकते हैं। अगर आप कोर्ट आए हैं तो कोर्ट पर विश्वास करें।

अब समस्या समझिए

नोएडा में रहने वाले लोगों की समस्या यह है कि दिल्ली बॉर्डर ब्लॉक किए जाने से दिल्ली पहुंचने में 20 मिनट के बजाय दो घंटे लग रहे हैं। इसी तकलीफ में नोएडा की एक महिला ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने कहा कि नोएडा से दिल्ली का सफर इस समय बुरे सपने की तरह है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा

दिल्ली-NCR की सीमा पर प्रदर्शन कर रहे किसानों के सड़क पर नाकेबंदी के खिलाफ कोर्ट ने तीखी टिप्पणी की। न्यायमूर्ति एएम खानविलकर ने कहा कि सत्याग्रह करने की क्या बात है? आपने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट पर भरोसा रखें। एक बार जब आपने अदालत का दरवाजा खटखटाया, तो विरोध का क्या मतलब है? क्या आप न्यायिक व्यवस्था का विरोध कर रहे हैं? व्यवस्था में विश्वास रखें।

कोर्ट ने किसान महापंचायत से कहा, अगर आप कोर्ट आए हैं तो प्रोटेस्ट का क्या मतलब है। जब किसानों के वकील की तरफ से कहा गया कि हाईवे उन्होंने बंद नहीं किया है, पुलिस ने बंद किया है, तो इस पर कोर्ट ने उनसे हलफनामा दायर करने को कहा कि वे राष्ट्रीय राजमार्गों को अवरुद्ध करने वाले किसानों के विरोध का हिस्सा नहीं हैं। अब मामले की अगली सुनवाई सोमवार को होगी।

कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली-यूपी बॉर्डर पर किसान पिछले 9 महीने से धरने पर बैठे हैं। इससे लोगों को नोएडा और गाजियाबाद आने जाने में काफी दिक्कत हो रही है। आसपास की दुकानों के अलावा ऑटो ड्राइवरों को भी दिक्कत हो रही है। सुबह-शाम इतना ट्रैफिक हो जाता है कि अगर फंसे तो घंटे, दो घंटे बर्बाद समझिए।

आम यात्रियों से बात कीजिए तो वे यही कहते हैं कि आंदोलन अपनी जगह है लेकिन आपके किसी ऐक्शन से दूसरों को परेशानी हो तो क्या मतलब है। कोरोना काल में इस आंदोलन के चलते आसपास के लोगों का 40 फीसदी तक व्यापार प्रभावित हुआ है। यहां भी 300 से ज्यादा किसान लगातार बैठे हुए हैं।

पहले शाहीन बाग, अब किसान आंदोलन

पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने शाहीनबाग में पब्लिक रोड पर हुए प्रदर्शन के मामले में कहा था कि पब्लिक प्लेस और रोड को अनिश्चितकाल के लिए ब्लॉक नहीं किया जा सकता। प्रशासन की ड्यूटी है कि वह ऐसी जगह को खाली कराए। इस तरह से प्रदर्शन के लिए पब्लिक के रोड पर कब्जा करने के मामले में प्रशासन एक्शन ले और कोर्ट का इंतजार न करे। अब सुप्रीम कोर्ट ने किसान आंदोलन को लेकर सख्त टिप्पणी की है। गौरतलब है कि 27 सितंबर को किसानों ने भारत बंद का आह्वान किया था। उस दिन दिल्ली से लेकर केरल तक असर देखा गया। गाजीपुर बॉर्डर पर बैठे किसानों ने एनएच-24 और एनएच-9 को जाम किया जिससे ट्रैफिक बंद रहा।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब सीएम चरणजीत चन्नी पीएम मोदी से मिले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी आज दिल्ली के दौरे पर हैं। चन्नी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात की। मुलाकात के बाद चन्नी ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से पंजाब में धान की खेती तुरंत शुरू करवाने की मांग की है। मुख्यमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली मुलाकात है। यह शिष्टाचार मुलाकात है। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का दिल्ली दौरा पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के बाद हुआ है।

फिर किया अगाह, छह से आठ महीने तक रहें सतर्क

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। दिल्ली एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया ने फेस्टिव सीजन की शुरुआत होने से पहले ही कोरोना को लेकर फिर से अगाह किया है। उन्होंने कहा है कि हमें अभी छह से आठ हफ्ते तक अभी और सतर्क रहने की जरूरत है। इसके बाद ही कोरोना के केस में देश भर में कमी आएगी।

उत्तराखंड के चमोली में त्रिशूल पर्वत पर हिमस्खलन

नौसेना के पर्वतारोही दल के पांच सदस्य और एक पोर्टर लापता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

उत्तरकाशी। माउंट त्रिशूल के आरोहण के दौरान नौसेना के पर्वतारोही दल के पांच जवान और एक पोर्टर एवलांच की चपेट में आ गए। उत्तरकाशी स्थित नेहरू पर्वतरोहण संस्थान (निम) से रेस्क्यू टीम प्रधानाचार्य कर्नल अमित बिष्ट के नेतृत्व में त्रिशूल चोटी के लिए रवाना हो गई है। इस संबंध में कर्नल अमित बिष्ट ने बताया कि उन्हें ये सूचना नेवी की एडवेंचर विंग से आज सुबह करीब 11 बजे मिली, जिसमें उन्होंने निम की सर्च एडं रेस्क्यू टीम से मदद मांगी।

कर्नल अमित बिष्ट ने बताया कि नौसेना के पर्वतारोहियों का 20 सदस्यीय दल करीब 15 दिन पहले 7,120 मीटर ऊंची त्रिशूल चोटी के आरोहण के लिए गया था। शुक्रवार सुबह दल चोटी के समिट के लिए आगे बढ़ा। इसी दौरान हिमस्खलन हुआ है, जिसकी चपेट में नौसेना के पांच जवान पर्वतारोही और एक पोर्टर आ गए। सूचना के बाद उत्तरकाशी से हेलीकाप्टर के जरिये निम की सर्च एंड रेस्क्यू टीम रवाना हुई। नेहरू पर्वतरोहण संस्थान (निम) के प्रधानाचार्य कर्नल अमित बिष्ट ने बताया यह घटना शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे हुई है, जिसमें नौसेना का पर्वतारोही दल हिमस्खलन की चपेट में आ गया। यह सभी अभी लापता बताए जा रहे हैं।

कुमांऊ के बागेश्वर जनपद में स्थित है त्रिशूल चोटी

त्रिशूल चोटी (7,120 मीटर) चमोली जनपद की सीमा पर स्थिति कुमांऊ के बागेश्वर जनपद में स्थित है। इस चोटी के आरोहण के लिए चमोली जनपद के जोशीमठ और घाट के लिए पर्वतारोही टीमें जाती हैं। नौसेना के पर्वतारोहियों की टीम भी घाट होते हुए त्रिशूल के लिए निकली थी। तीन चोटियों का समूह होने के कारण इसे त्रिशूल कहते हैं।

22 सितंबर मिला था वर्ष 2005 में लापता जावन का शव:

गौरतलब है कि बीते दिनों भारतीय सेना का एक दल स्वर्णिम विजय वर्ष के उपलक्ष्य में गंगोत्री हिमालय की सबसे ऊंची चोटी सतोपंथ (7075 मीटर) के आरोहण के लिए गया था। इस दौरान 22 सितंबर को उन्हें चोटी के पास बर्फ में दबा एक शव मिला था। ये शव साल 2005 में सतोपंथ चोटी के आरोहण के दौरान हुई दुर्घटना में लापता चल रहे सैनिक अमरीश त्यागी का था। वह आर्मी आर्डिनेस कोर में नायक के पद पर तैनात थे।

स्वच्छता के नाम पर पूर्व की सरकारें करती रहीं मजाक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) और AMRUT 2.0 AMRUT के दूसरे चरण की शुरुआत कर दी है। इस मौके पर दिए अपने संबोधन में उन्होंने देशवासियों को स्वच्छता के प्रति आगाह किया साथ ही उन लोगों की भी सराहना की जो इसमें अपना योगदान देते आए हैं। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने इस मिशन के कई पहलुओं को छुआ।

नई दिल्ली स्थित डाक्टर अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में खुले में शौच को खत्म करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसको दस करोड़ शौचालय बनाकर पूरा किया गया है। अब शहरों को कचरा मुक्त किया जाएगा। इसके अलावा सीवेज का बेहतरीन प्रबंधन और स्वच्छ पानी की सप्लाई करना है। इस अभियान में सबसे बड़े सहयोगी वो लोग हैं जो बदबू सहन करते हुए कचरा साफ करते रहे हैं।

अलर्ट

■स्वच्छता मिशन के लिए बड़ा बजट दिया गया

कोरोना काल में भी इन्होंने अपना पूरा योगदान दिया है। उन्होंने ये भी कहा कि ये योजना बापू की सोच से प्रेरित है। उन्होंने इस योजना और इसकी सफलता को महात्मा गांधी को समर्पित किया है।

इस मौके पर उन्होंने बाबा साहब भीम राव अंबेडकर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गांव से शहरों की तरफ आने वालों को यहां पर काम तो मिल जाता है लेकिन वो जिस माहौल में रहते हैं वो बेहद दयनीय है। स्वच्छ भारत मिशन का दूसरा चरण बाबा साहब के सपनों को पूरा करने की तरफ एक कदम है। उन्होंने का कि ये सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास पर आधारित है। अब इससे हर उम्र के लोग जुड़े हुए हैं। अब हर जिले के लोग चाहते हैं कि उनका शहर स्वच्छता रैंकिंग में आगे हो।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

किसी का मुखौटा बन रहे कैप्टन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश रावत ने पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह पर जमकर हमला कर दिया। हरीश रावत ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर किसी का मुखौटा बन रहे हैं। उनका कद भाजपा का मुखौटा बनने लायक नहीं है। कांग्रेस ने उनका अपमान नहीं किया बल्कि पूरा मान-सम्मान दिया है। कैप्टन अपने शब्दों पर गौर करें।

हरीश रावत का कैप्टन अमरिंदर पर हमला

हरीश रावत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह की बातों को पार्टी ने हमेशा माना और उनका सम्मान किया। पंजाब में जो परिवर्तन किया है वह पार्टी के हितों को ध्यान में रखकर किया गया। पंजाब में यह धारणा हो गई थी कि कैप्टन अमरिंदर सिंह अकालियों के करीबी हैं और इसी कारण सवाल उठ रहे थे।

बता दें कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने वीरवार को कांग्रेस छोड़ने की बात कही थी। उन्होंने कांग्रेस द्वारा अपमानित करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि मैं अपमान नहीं झेल सकता।